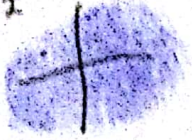


12
दिनांक 10-5-2018

प्राचीन

277



प्राचीन निवन कार्यक्रम अनुसार वीज व
लोक कर्मका कर्मचारी तथा डाक
द्वारा, 2018 केम कोर्ट वेज में
पेश हुई। प्रशासकों को लोक कर्मचारी
के जारी नोटिस का तामील प्राप्त
हुं जो शामिल किये गए। प्राचीन
मंत्रालय उपर। कृष्णा प्रशासन
सरकार उपर। प्रशासन वरुम के विषय
लाभित होने से प्राचीन व कृष्णा प्रशासन
सरकार को सूना गया। कृष्णा प्रशासन
सरकार के जवाब व उपलब्ध रेकॉर्ड
का क्लिक किचा गया। उपलब्ध
रेकॉर्ड के क्लिक से जाहिर है कि
प्राचीन ने अपने पिता कलाराम पुत्र
मंगलजी उवाचिका को जारी के
पुराने स्वसरा नंबर 25/2/56 में
दिनांक 20-4-1976 को क्लिक
10 बीजा बाँके के बंगला से बुने हुए
स्वसरा नंबर 398/445 क्लिक 1.40 एकर
इसका दुबली के माहम से बकायती
दफ्त कराने की मांग की गई है।
इस बाँके क्लिक के प्रशासन प्राचीन

तारीख
म को
सी दुब

हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम को लागू न
जाये हुये

के पिता कबाराम (1) मंगलपत्री के नाम पर
स्वातेदार कृष्ण स्वतेदार के रूप में दर्ज
नहीं हुई है तथा प्राचीनान के पिता की
की मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार प्रथम
वृष्ट्या मामला इंडियन दुबली का नहीं
बनता है। धारा 136 RLR के प्रावधानों
के अनुसार मजबूत बिकारा द्वारा की गई
लिपिकेच नुस्खे को उपर्युक्त कृषिकारी
दोनो पक्षों के असहमत होने पर दुबली
के क्राइश इ व्यक्ति है। उक्त प्रकार में
कृषिकारी तहसीलदार वाली असहमत नहीं है
तथा रेकॉर्ड में चट कही पर व्यक्ति नहीं है
कि मजबूत पुर्व के लेखों में प्राचीन के पिता
के नाम कृषिकार को लेखों में दर्ज नहीं है।
इसके साथ ही इंडियन दुबली का क्राइश
मूल क्राइश ही कर सकता है। मूल क्राइश
का रेकॉर्ड होने के बाद प्राचीनान द्वारा उक्त
क्राइश प्रेश किया है। कृषिकारी तहसीलदार वाली
के जवाब अनुसार प्राचीनान का क्राइश की
नहीं रहा है। इस प्रकार शपथीय विषयवचक
स्वाते में दर्ज शक्ति की प्राचीनान द्वारा इंडियन
दुबली के माहवक से स्वतेदारी दर्ज किये
जाने की मांग रचीकर चोख नहीं है। इस
प्राचीनान द्वारा माक जादरी विचन शक्ति
पुराने स्वसरा नंबर 26/2/28 रकबा 10 बीघा से
बने हाल स्वसरा नंबर 398/445 रकबा
1.40 हेक्टर के संवध में प्रस्तुत जाय
धारा 136 राज-इरा-कृषिकारी, 1956
स्मारिक किया जाना है। जिसमें मजबूत
हाकर नंबर संकलन है।

5-2-21